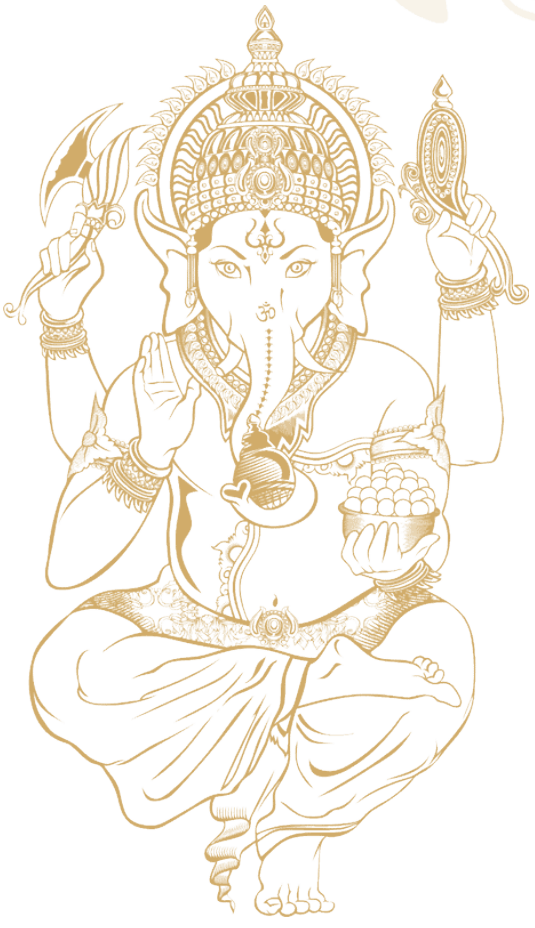

Sarbnit Pulkit

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121151302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/08/1993	जन्म तिथि	4-05/11/1999
मंगलवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 22:15:00	जन्म समय	05:30:00 घंटे
घटी 41:21:52	जन्म समय(घटी)	57:01:58 घटी
India	देश	India
Ropar	स्थान	Nawashahr
30:59:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
76:31:00 पूर्व	रेखांश	76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:56	स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:15	सूर्योदय	06:42:51
19:18:13	सूर्यास्त	17:34:55
23:46:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 10मा 22दि	20:55:39	मीन	लग्न	तुला	01:53:13	चन्द्र 8वर्ष 1मा 19दि
गुरु	17:34:30	कर्क	सूर्य	तुला	18:15:59	राहु
27/06/2014	01:09:00	कुंभ	चंद्र	कन्या	12:29:00	25/12/2014
27/06/2030	01:00:43	कन्या	मंगल	धनु	20:02:57	24/12/2032
गुरु 14/08/2016	28:19:34	मिथु	बुध	वृश्चि	07:52:28	राहु 06/09/2017
शनि 25/02/2019	16:23:51	कन्या	गुरु व	मेष	04:27:11	गुरु 30/01/2020
बुध 02/06/2021	08:14:17	मिथु	शुक्र	कन्या	01:51:36	शनि 06/12/2022
केतु 09/05/2022	04:23:00	कुंभ व	शनि व	मेष	19:58:37	बुध 25/06/2025
शुक्र 07/01/2025	16:31:27	वृश्चि व	राहु व	कर्क	14:24:37	केतु 13/07/2026
सूर्य 26/10/2025	16:31:27	वृष व	केतु व	मक	14:24:37	शुक्र 13/07/2029
चन्द्र 25/02/2027	25:34:30	धनु व	हर्ष	मक	19:04:52	सूर्य 07/06/2030
मंगल 01/02/2028	25:24:07	धनु व	नेप	मक	07:52:17	चन्द्र 07/12/2031
राहु 27/06/2030	28:56:56	तुला	प्लूटो	वृश्चि	15:25:57	मंगल 24/12/2032

लग्न-चलित

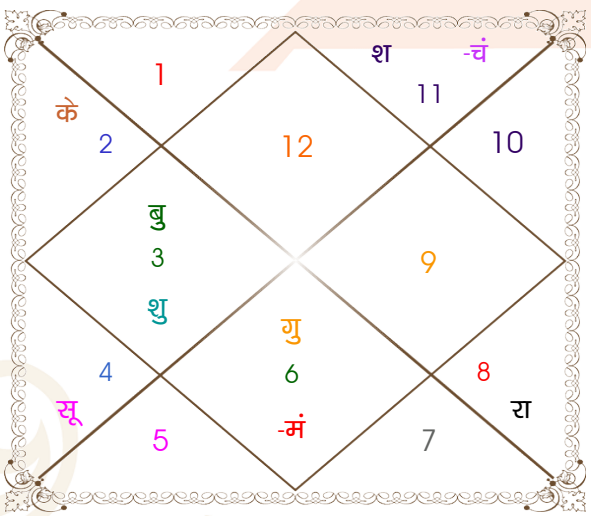

लग्न-चलित

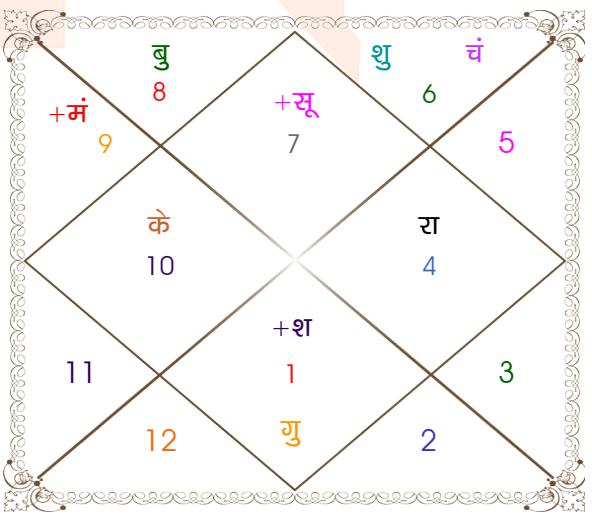

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Sarbnit का वर्ग मार्जार है तथा Pulkit का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sarbnit और Pulkit का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Sarbnit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Sarbnit कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Pulkit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Pulkit कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Pulkit कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sarbnit तथा Pulkit में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।